भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3857

सोमवार, 24 मार्च, 2025/03 चैत्र, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

शिमला में पर्यटन को बढ़ावा देना

3857. श्री सुरेश कुमार कश्यपः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हिमाचल प्रदेश की वर्तमान सरकार द्वारा गत दो वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश के शिमला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार को कोई प्रस्ताव भेजा गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा तीर्थ स्थलों के विकास के लिए प्रसाद योजना (तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत और संवर्धन अभियान) के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश में अब तक चिन्हित किए गए तीर्थ स्थलों की संख्या कितनी है और इस संबंध में जिलावार निर्माण कार्य का ब्यौरा क्या है तथा कितनी निधि स्वीकृत की गई है;

(घ) क्या शिमला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्थित श्री रेणुका जी मंदिर, जो भगवान परशुराम का जन्म स्थान है तथा देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है तथा जहां अंतर्राष्ट्रीय मेला लगता है, उक्त योजना के अंतर्गत शामिल है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी चल रही योजनाओं के माध्यम से हिमाचल प्रदेश राज्य सहित पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों /संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

हिमाचल प्रदेश के संसदीय क्षेत्र शिमला में पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है, क्योंकि पर्यटन मंत्रालय को निर्धारित प्रारूप में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

हालांकि, स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने शिमला के आसपास 68.34 करोड़ रुपये की लागत की "हिमालयी परिपथ का विकास: क्यारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा" नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के तहत संवर्धनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रचार आदि के माध्यम से शिमला सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत 'ऊना जिले में मां चिंतपूर्णी मंदिर का विकास' नामक परियोजना को चिह्नित किया है। परियोजना में प्रस्तावित प्रमुख घटकों में दर्शन के लिए तीर्थयात्रा सुविधाओं के साथ क्यू-कॉम्प्लेक्स, क्यू-कॉम्प्लेक्स के लिए एलईडी अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था और मंदिर स्तर पर कवर्ड पाथवे आदि शामिल हैं।

(घ) से (ङ): शिमला संसदीय क्षेत्र में श्री रेणुका जी मंदिर को प्रशाद योजना के अंतर्गत शामिल करने का कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

पर्यटन संबंधी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा धन की उपलब्धता की शर्त पर ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

****